

an>

Title: Regarding alleged denial to women Panchayat Presidents of Kerala to participate in a function on International Women's day held at Gandhinagar, Gujarat for wearing customary dress 'Hizab'.

SHRI E.T. MOHAMMAD BASHEER (PONNANI): Sir, I wish to draw the attention of the House to a shocking incident which took place yesterday at the Mahatma Mandir at Gandhinagar. It was an event to mark the International Women's Day. Six thousand women panchayat presidents were participating in that Conference.

In that conference, three Panchayat Presidents were from Kerala. One of them was Thirkkaripur Panchayat Vice-President Fausiya; another was Shaheena from Thankala Panchayat; and another Panchayat President was Shaharban. They were denied admission to the conference hall merely because they were wearing hijab. I would like to ask this. Wearing a hijab is their religious right which cannot be denied. ...(*Interruptions*) What happened was that the security personnel were insisting that they should remove the hijab and then only they would be admitted in the conference hall. It is a shame for the nation. ...(*Interruptions*)

Finally, they begged that they may be allowed to come in with this dress. They were denied the permission. ...(*Interruptions*) After 45 minutes of quarrel and heated exchange of words, finally it was agreed. All these incidents took place in the presence of the hon. Prime Minister of this nation. ...(*Interruptions*)

Finally when they were allowed, a condition was imposed that they may be allowed to sit only in the back row. What is happening in this country? ...(*Interruptions*) This kind of intolerance cannot be tolerated. It is a shame for the nation. ...(*Interruptions*)

I am submitting that the hon. Prime Minister should apologise to the entire nation and proper action should be taken against the culprits. ...(*Interruptions*)

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri P.K. Biju,

Adv. Joice George,

Shri Shankar Prasad Datta,

Dr. A. Sampath,

Shri N.K. Premachandran and

Shri Mullappally Ramachandran are permitted to associate with the issue raised by Shri E.T. Mohammad Basheer.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF MINORITY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI): The hon. Member is a very senior Member. जो बात वे कह रहे हैं, वह बात बिलकुल तथ्यों से विपरीत है और कहीं न कहीं गुमराह करने वाली है।... (व्यवधान) हम समाज के हर तबके के लिए समानता के साथ और इक्वैलिटी के हक के साथ काम करते हैं। जिस तरह की गलत सूचना और कुछ अखबारों में गलत तथ्यों के आधार पर समाचार छपा है, उसके आधार पर सदन में यह बात कहना गलत है और हम उसका खंडन करते हैं। जो बात "हिजाब" से संबंधित कही जा रही है, वह बिलकुल गलत है, निराधार है और बिलकुल तथ्यों से विपरीत है।... (व्यवधान)

*m09

ग्रामीण विकास मंत्री, पंचायती राज मंत्री तथा पेयजल और स्वच्छता मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर): महोदय, हमारे माननीय सदस्य ने गुजरात में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के संबंध में सवाल उठाया है। मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को यह जानकारी देना चाहता हूँ कि, माननीय सदस्य ने जो भी कहा है, उसका सत्यता से कोई वास्ता नहीं है। कल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का अवसर था। पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय ने देश भर के सभी राज्यों से विभिन्न कर के छह हजार से अधिक महिला सरपंचों को आमंत्रित किया था। उसमें कुछ समाजसेवी संस्थाएं भी थीं। उस कार्यक्रम में वही लोग थे, जिन्हें आमंत्रित किया गया था। वहाँ पर गौतमबुद्ध नगर की शालिनी राजपूत नामक एक बहन भी थीं। उस बहन ने सुरक्षा घेरे को तोड़कर माननीय प्रधानमंत्री जी से मिलने की कोशिश की थी। वो माननीय प्रधानमंत्री जी को राज्य सरकार के संबंध में कुछ बताना चाहती थी। सुरक्षा घेरे ने उसे माननीय प्रधानमंत्री जी से नहीं मिलने दिया था। उसके बाद शालिनी राजपूत जी ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को एक वाइट टी थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे राज्य सरकार से परेशान हैं और उनके गाँव में विकास नहीं हो रहा है। यह बात वे प्रधानमंत्री जी को बताना चाहती थीं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बहुत अच्छा कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय लोकसभा अध्यक्ष जी मौजूद थीं। स्वच्छता के क्षेत्र में जिन महिला सरपंचों ने अच्छा काम किया है, इस कार्यक्रम में उन्हें भी सम्मानित किया गया। माननीय सदस्य ने जो यह बात उठाई है, वह बिलकुल भी सत्य के नजदीक नहीं है। इससे निश्चित रूप से लोग गुमराह हुए हैं, जिस कारण मुझे यहाँ स्पष्टीकरण देने के लिए खड़ा होना पड़ा है। आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया, उसके लिए धन्यवाद।